HINDI

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in HINDI.

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों की ससन्दर्भ व्याख्या करते हुए उनके काव्य-सौन्दर्य का उद्घाटन कीजिए : 10×5=50

(क) डारे ठोड़ी-गाड़, गहि नैन-बटोही मारि।
चिलक चौंध में रूप ठग, हाँसी-फाँसी डारि॥
तंत्रीनाद, कवित्त रस, सरस राग, रति-रंग।
अनबूड़े बूड़े, तरे जे बूड़े सब अंग॥

(ख) जौ रोऊँ तौ बल घटे, हँसौं तौ राम रिसाइ।
मन ही मांहि बिसूरणां, ज्यूं घुंण काठहि खाइ॥
हँसि हँसि कन्त न पाइए, जिनि पाया तिनि रोइ।
जो हाँसे ही हरि मिले, तौ नहीं दुहागनि होइ॥

(ग) हम बाह्य उन्नति पर कभी मरते न थे संसार में,
बस मग्न थे अन्तर्जगत के अमृत-पारावार में।
जड़ से हमें क्या, जबकि हम थे नित्य चेतन से मिले,
हैं दीप उनके निकट क्या जो पद्म दिनकर से खिले।

(घ) ईश जानें, देश का लज्जा-विषय
तत्त्व है कोई कि केवल आवरण
उस हलाहल-सी कुटिल द्रोहाग्नि का
जो कि जलती आ रही चिरकाल से
स्वार्थ-लोलुप सभ्यता के अग्रणी
नायकों के पेट में जठराग्नि-सी।

(ङ) सुरा सुरभिमय वदन अरुण वे
नयन भरे आलस अनुराग;
कल कपोल था जहाँ बिछलता
कल्पवृक्ष का पीत पराग।
विकल वासना के प्रतिनिधि वे
सब मुरझाये चले गये।
आह! जले अपनी ज्वाला से
फिर वे जल में गले, गये।

2. (क) ''कबीर जनता के कवि थे और जनता के प्रति उनके हृदय में असीम करुणा और अनुराग का भाव था।'' इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 25

(ख) क्या समकालीन आलोचना तुलसीदास के काव्य की प्रगतिशीलता को अनदेखा कर रही है? उदाहरणों से पुष्ट युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। 25

3. (क) बताइए कि किस प्रकार सूर की काव्यकला पौराणिकता में नवीनता का संचार करके प्रसंगों को विशिष्ट और लोकग्राह्य बना देती है। 25

(ख) 'पद्मावत' में कल्पना में इतिहास का पैबन्द लगाने वाली काव्य-चेतना के पीछे क्या कारण हो सकते हैं? 25

4. (क) अन्तस् और बाह्य जगत की एकाकारता के सजीव प्रतीक के रूप में 'असाध्यवीणा' की समीक्षा कीजिए। 25

(ख) इस बात पर विचार कीजिए कि 'राम की शक्तिपूजा' की संरचना में एक पराजित और दूसरे अपराजित मन की अस्तित्वानुभूति के साथ-साथ 'तुलसीदास' और 'सरोज स्मृति' का सार भी सन्निहित है। 25

SECTION—B

5. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ-सहित व्याख्या करते हुए उसके रचनात्मक सौन्दर्य को उद्घाटित कीजिए : 10×5=50

(क) ''महाराज, वेदान्त ने बड़ा ही उपकार किया। सब हिन्दू ब्रह्म हो गये। किसी की इतिकर्त्तव्यता बाकी ही न रही। ज्ञानी बनकर ईश्वर से विमुख हुए, रुक्ष हुए, अभिमानी हुए और इसी से स्नेहशून्य हो गए। जब स्नेह ही नहीं तब देशोद्धार का प्रयत्न कहाँ!''

(ख) मनुष्य सारी पृथ्वी छेंकता चला जा रहा है। जंगल कट-कट कर खेत, गाँव और नगर बनते चले जा रहे हैं। पशु-पक्षियों का भाग छिनता चला जा रहा है। उनके सब ठिकानों पर हमारा निष्ठुर अधिकार होता चला जा रहा है। वे कहाँ जायँ।...

(ग) तुलसीदास की भक्ति वर्ण, जाति, धर्म आदि के कारण किसी का बहिष्कार नहीं करती। जो 'अति अघ-रूप' समझे जाते हैं, उन 'आभीर जवन किरात खस स्वपचादि' के लिए भी वह कहते हैं कि राम का नाम लेकर वे भी पवित्र हो जाते हैं। इससे उनकी भक्ति का जनवादी तत्त्व अच्छी तरह प्रकट हो जाता है। जिन तमाम लोगों के लिए पुरोहित वर्ग ने उपासना और मुक्ति के द्वार बन्द कर दिये थे, उन सब के लिए तुलसी ने उन्हें खोल दिया। तुलसी की जाति और कुलीनता पर पुरोहितों के आक्षेपों का यही कारण था।

(घ) ''कवित्व वर्णमय चित्र है, जो स्वर्गीय भावपूर्ण संगीत गाया करता है। अन्धकार का आलोक से, सत् का असत् से, जड़ का चेतन से, और बाह्य जगत का अन्तर्जगत से सम्बन्ध कौन कराती है? कविता ही न!''

(ङ) और यह राजधानी! जहाँ सब अपना है, अपने देश का है ... पर कुछ भी अपना नहीं है, अपने देश का नहीं है।

तमाम सड़कें हैं जिन पर वह जा सकता है, लेकिन वे सड़कें कहीं नहीं पहुँचातीं। उन सड़कों के किनारे घर हैं; बस्तियाँ हैं पर किसी भी घर में वह नहीं जा सकता। उन घरों के बाहर फाटक हैं, जिन पर कुत्तों से सावधान रहने की चेतावनी है, फूल तोड़ने की मनाही है और घंटी बजाकर इन्तजार करने की मजबूरी है।

6. (क) जिस तरह से अपने ललित निबन्धों में कुबेरनाथ राय भारत ही नहीं, विश्व-भर के नये-पुराने रूपों को हृदय और बुद्धि की कसौटी पर जाँचते हैं, निबन्ध-क्षेत्र के लिए यह नया बौद्धिक रस संजीवनी बना है—इसका विवेचन कीजिए। 25

(ख) श्रद्धा और भक्ति के सामाजिक उपयोग एवं दुरुपयोग पर विचार कीजिए। 25

7. (क) रंगमंचीय सम्भावनाओं की दृष्टि से किए गए एक प्रयोग के रूप में 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक पर विचार कीजिए। 25

(ख) 'महाभोज' में समकालीन दलगत राजनीति का जन-विरोधी चरित्र विश्वसनीय तरीके से उभारा गया है—इस बात की परीक्षा कीजिए। 25

8. (क) "रेणु पाठक को छपे हुए पृष्ठों की सुरक्षित दुनिया से बाहर खींचते हैं और मौखिक परम्परा में प्रवेश कराते हैं।" 'मैला आँचल' के सन्दर्भ में इस वक्तव्य का विवेचन कीजिए। 25

(ख) प्रेमचन्द की कहानियों में आधुनिक विमर्शों के स्वरूप की पड़ताल कीजिए। 25

★ ★ ★

CS (Main) Exam : ,2014

162

HINDI
Paper II
(LITERATURE)

वियोज्य *DETACHABLE*

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in HINDI.

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की (लगभग 150 शब्दों में) ससंदर्भ व्याख्या करते हुए उनके काव्य-सौंदर्य का उद्‌घाटन कीजिए : 10×5=50

1.(क) सँदेसनि मधुबन-कूप भरे। 10
जो कोउ पथिक गए हैं ह्याँ तें फिरि नहिं अवन करे ॥
कै वै स्याम सिखाय समोधे कै वै बीच मरे ?
अपने नहिं पठवत नंदनंदन हमरेउ फेरि धरे ॥
मसि खूँटी कागद जल भींजे, सर दव लागि जरे।
पाती लिखैं कहो क्यों करि जो पलक-कपाट अरे ?

1.(ख) अवगुन एक मोर मैं माना। 10
बिछुरत प्रान न कीन्ह पयाना ॥
नाथ सो नयनन्हि को अपराधा।
निसरत प्रान करहिं हठि बाधा ॥
बिरह अगिनि तनु तूल समीरा।
स्वास जरइ छन माहिं सरीरा ॥
नयन स्रवहिं जलु निज हित लागी।
जरैं न पाव देह बिरहागी ॥

1.(ग) शांति-बीन तब तक बजती है 10
नहीं सुनिश्चित सुर में,
स्वर की शुद्ध प्रतिध्वनि जब तक
उठे नहीं उर-उर में।
यह न बाह्य उपकरण, भार बन
जो आवे ऊपर से,
आत्मा की यह ज्योति, फूटती
सदा बिमल अंतर से ॥

1.(घ) "विषमता की पीड़ा से व्यस्त हो रहा
स्पंदित विश्व महान, 10
यही दुःख-सुख, विकास का सत्य यही
भूमा का मधुमय दान।
नित्य समरसता का अधिकार उमड़ता
कारण-जलधि समान,
व्यथा से नीली लहरों बीच बिखरते
सुख-मणिगण द्युतिमान ॥"

1.(ङ) "श्रेय नहीं कुछ मेरा: 10
मैं तो डूब गया था स्वयं शून्य में –
वीणा के माध्यम से अपने को मैंने
सब-कुछ को सौंप दिया था –
सुना आपने जो वह मेरा नहीं,
न वीणा का था :
वह तो सब-कुछ की तथता थी
महाशून्य
वह महामौन
अविभाज्य, अनाप्त, अद्रवित, अप्रमेय
जो शब्दहीन
सब में गाता है।"

2.(क) क्या कबीर ने अनीश्वरत्व के निकट पहुँच चुके भारतीय जनमानस को निर्गुण ब्रह्म की भक्ति की ओर प्रवृत्त होने की उत्तेजना प्रदान की ? तर्क सम्मत उत्तर दीजिए। 20

2.(ख) ठेठ अवधी भाषा के माधुर्य और भावों की गंभीरता की दृष्टि से 'पद्मावत' महाकाव्य निराला है। विवेचन कीजिए। 15

2.(ग) बिहारी की कविता के साक्ष्य से बताइए कि कवि की धर्म और दर्शन के क्षेत्रों में पैठ थी। 15

3.(क) सोदाहरण स्पष्ट कीजिए कि सूर ने योगमार्ग को संकीर्ण, कठिन और नीरस तथा भक्तिमार्ग को विशाल, सरल और सरस क्यों कहा है ? 20

3.(ख) "बुद्धिवाद के विकास में, अधिक सुख की खोज में, दुख मिलना स्वाभाविक है।" 'कामायनी' के आधार पर इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

3.(ग) क्या आप समझते हैं कि 'भारत भारती' में व्यक्त कवि के कतिपय विचार पुराने पड़ गये हैं और उनसे सहमत होना कठिन है। इस संदर्भ में 'भारत भारती' की प्रासंगिकता पर विचार कीजिए। 15

4.(क) सोदाहरण विवेचित कीजिए कि 'राम की शक्तिपूजा' के बाद निराला की रचनाओं में आकांक्षा-पूर्ति के स्वप्न क्रमशः कम होते गए हैं। 20

4.(ख) नागार्जुन की कविता लोक-जीवन की भूमि से उग कर, प्रतिबद्धता पर आरूढ़ हो, व्यंग्य के शिखर का स्पर्श करती है। — इस कथन की पुष्टि कीजिए। 15

4.(ग) दिनकर की काव्य भाषा की उन विशेषताओं पर उदाहरण-सहित विचार कीजिए जो उन्हें लोकप्रिय बनाती हैं। 15

SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की (लगभग 150 शब्दों में) ससंदर्भ व्याख्या करते हुए उनके रचनात्मक-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए : 10×5=50

5.(क) यह मेरे अभाव की संतान है। जो भाव तुम थे, वह दूसरा नहीं हो सका, परंतु अभाव के कोष्ठ में किसी दूसरे की जाने कितनी-कितनी आकृतियाँ हैं ! जानते हो मैंने अपना नाम खोकर एक विशेषण उपार्जित किया है और अब मैं अपनी दृष्टि में नाम नहीं, केवल विशेषण हूँ ? 10

5.(ख) बुद्धि की क्रिया से हमारा ज्ञान जिस अद्वैत भूमि पर पहुँचता है, उसी भूमि तक हमारा भावात्मक हृदय भी इस सत्त्व-रस के प्रभाव से पहुँचता है। इस प्रकार अंत में जाकर दोनों पक्षों की वृत्तियों का समन्वय हो जाता है। इस समन्वय के बिना मनुष्यत्व की साधना पूरी नहीं हो सकती। 10

5.(ग) जो कुछ अपने से नहीं बन पड़ा, उसी के दुख का नाम मोह है। पाले हुए कर्तव्य और निपटाये हुए कामों का क्या मोह ! मोह तो उन अनाथों को छोड़ जाने में है, जिनके साथ हम अपना कर्तव्य न निभा सके; उन अधूरे मंसूबों में है, जिन्हें हम पूरा न कर सके। 10

5.(घ) कष्ट हृदय की कसौटी है – तपस्या अग्नि है – सम्राट ! यदि इतना भी न कर सके तो क्या ! सब क्षणिक सुखों का अंत है। जिसमें सुखों का अंत न हो, इसलिए सुख करना ही न चाहिए। मेरे इस जीवन के देवता और उस जीवन के प्राप्य ! क्षमा !! 10

5.(ङ) "विद्यापति कवि के गान कहाँ ?" बहुत दिनों बाद मन में उलझे हुए उस प्रश्न का जवाब दिया – ज़िंदगी-भर बेगारी खटने वाले, अपढ़ गँवार और अर्धनग्नों में, कवि ! तुम्हारे विद्यापति के गान हमारी टूटी झोपड़ियों में ज़िंदगी के मधुरस बरसा रहे हैं। – ओ कवि ! तुम्हारी कविता ने मचल कर एक दिन कहा था – चलो कवि, बनफूलों की ओर ! 10

6.(क) द्विवेदीयुगीन निबंधों में भाषा-संस्कार, रुचि-परिमार्जन, वैचारिक परिपक्वता और विषय-विविधता के कारण आए परिवर्तनों को उदाहरणों सहित रेखांकित कीजिए। 20

6.(ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी के ललित निबंधों में वैचारिकता किस भाँति अनुस्यूत रहती है ? इस संबंध में युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। 15

6.(ग) बालकृष्ण भट्ट और गुलाब राय के निबन्धों की भाषा-शैली की विशेषताओं पर तुलनात्मक दृष्टि से विचार कीजिए। 15

7.(क) क्या 'स्कन्दगुप्त' नाटक में कल्पना और इतिहास के समन्वय से नाटक के संप्रेषणगत सौन्दर्य में वृद्धि हुई है ? तर्कयुक्त उत्तर दीजिए। 20

7.(ख) इस बात पर सम्यक् रूप से विचार कीजिए कि नई कहानी की यात्रा अनुभव से स्वयं गुजरने की यात्रा है। 15

7.(ग) यदि आपको प्रेमचन्द की सभी कहानियों में से केवल एक ही सर्वोत्तम कहानी चुननी हो तो आप कौन-सी चुनेंगे और क्यों ? 15

8.(क) यदि प्रेमचन्द 'गोदान' को उपन्यास के बदले नाटक के रूप में लिखते, तो आपकी दृष्टि में वे उसमें क्या छोड़ते और क्या जोड़ते ? 20

8.(ख) "इसमें फूल भी हैं शूल भी, धूल भी है, गुलाब भी, कीचड़ भी है, चंदन भी, सुंदरता भी है, कुरूपता भी — मैं किसी से दामन बचाकर नहीं निकल पाया।" — रेणु के इस कथन के आलोक में 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए। 15

8.(ग) " 'महाभोज' उपन्यास में हमारे वर्त्तमान समाज और राजनीति का नकारात्मक यथार्थ-वर्णन तो विश्वसनीय बन पड़ा है, लेकिन सकारात्मक पहलू हवाई आदर्श बन गया है"— इस टिप्पणी के संदर्भ में आप अपना तर्कपूर्ण पक्ष प्रस्तुत कीजिए। 15

HINDI

CS (Main) Exam:2015

PAPER—II

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions

There are EIGHT questions divided in two Sections.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in HINDI (Devanagari Script).

Word limit in questions, if specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION—A

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग *150* शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्घाटित हो सके : 10×5=50

(a) निर्गुन कौन देस को वासी?
मधुकर! हंसि समुझाय, सौंह दै बूझति साँच, न हांसी।
को है जनक, जननि को कहियत, कौन नारिं, को दासी?
कैसो वरन, भेस है कैसो, केहि रस कै अभिलासी।
पावैगो पुनि कियो आपनो जो रे कहैगो गांसी।
सुनत मौन ह्वै रह्यौ ठग्यौ सो सूर सबै मति नासी॥

(b) तात राम नहि नर भूपाला। भुवनेश्वर कालहुँ कर काला॥
ब्रह्म अनामय अज भगवंता। व्यापक अजित अनादि अनंता॥
गो द्विज धेनु देव हितकारी। कृपासिंधु मानुष तनुधारी॥
जन रंजन भंजन खल व्राता। वेद धर्म रच्छक सुनु भ्राता॥
ताहि बयरु तजि नाइए माथा, प्रनतारति भंजन रघु नाथा॥
देहु नाथ प्रभु कहुँ वैदेही, भजहु राम विनु हेतु सनेही।
सरन गये प्रभु ताहु न त्यागा, बिस्व द्रोह कृत अघ जेहि लागा।
जासु नाम भय ताप नसावन, सोइ प्रभु प्रकट समुझु जियँ रावन॥

(c) मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोइ।
जा तन की झाईं परैं स्यामु हरित-दुति होइ।
कहत नटत रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरै भौन मैं करत हैं नैननु हीं सब बात॥

(d) विश्व की दुर्बलता बल बने
पराजय का बढ़ता व्यापार
हंसाता रहे उसे सविलास
शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युतकण जो व्यस्त
विकल बिखरे हैं हो निरुपाय
समन्वय उसको करे समस्त
विजयिनी मानवता हो जाय।

(e) सबने भी अलग-अलग संगीत सुना
इसको
वह कृपा वाक्य था प्रभुओं का
उसको
आतंक मुक्ति का आश्वासन
इसको

वह भरी तिजोरी में सोने की खनक।
उसे
बटुली में बहुत दिनों के बाद अन्न की सोंधी खुशबू।
किसी एक को नयी वधू की सहमी सी पायल ध्वनि
किसी दूसरे को शिशु की किलकारी
एक किसी को जाल फँसी मछली की तड़पन—
एक अपर को चहक मुक्त नभ में उड़ती चिड़िया की।
एक तीसरे को मंडी की ठेलमठेल, ग्राहकों की आस्पर्धा भली बोलियाँ,
चौथे को मंदिर की ताल-युक्त घंटा-ध्वनि।
और पाँचवें को लोहे पर सधे हथौड़े की सम चोटें
और छठें को लंगर पर कसमसा रही नौका पर लहरों की अविराम थपक
बटिया पर चमरौधे की रुंधी चाम सातवें के लिए—
और आठवें को कुलिया की कटी मेड़ से बहते जल की छुल-छुल।
इसे गमक नट्टिन की ऐड़ी के घुंघरू की।
उसे युद्ध का ढोल।
इसे संझा-गोधूली की लघु टुन-टुन
उसे प्रलय का डमरू नाद।
इसको जीवन की पहली अंगड़ाई
पर उसको महाजृंभ विकराल काल
सब डूबे, तिरे, झिपे जागे
हो रहे वशंवद स्तब्ध
इयत्ता सबकी अलग-अलग जागी।

2. *(a)* मुक्तिबोध की कविता में आधुनिकताबोध के नये आयाम के साथ आत्मबोध के स्वर भी हैं। विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

(b) अवधी भाषा में रचित 'पद्मावत' प्रेम और दर्शन का अद्भुत महाकाव्य है। संवेदनशील उत्तर दीजिए। 15

(c) बिहारी के दोहों में नीति, भक्ति, शृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है। स्पष्ट कीजिए। 15

3. *(a)* सूर के काव्य में जितनी सहृदयता है उतनी ही वाग्विदग्धता भी। स्पष्ट कीजिए। 20

(b) 'रामचरितमानस' के बाद 'कामायनी' एक ऐसा प्रबंध काव्य है जो मनुष्य के सम्पूर्ण प्रश्नों का अपने ढंग से कोई न कोई सम्पूर्ण उत्तर देता है। विचार कीजिए। 15

(c) मैथिलीशरण गुप्त की आधुनिक हिन्दी कविता के विकास में जो भूमिका है उसे स्पष्ट कीजिए। 15

4. *(a)* 'राम की शक्तिपूजा' का आज के समय में नया पाठ क्या हो सकता है, स्पष्ट कीजिए। 20

(b) बाबा नागार्जुन नये काव्य में किन अर्थों में महत्त्वपूर्ण हैं, स्पष्ट कीजिए। 15

(c) दिनकर की रचनाओं के संदेश अपनी भाषा में लिखिए। 15

SECTION—B

5. निम्नलिखित गद्यांशों की लगभग *150* शब्दों में ससंदर्भ व्याख्या कीजिए और उसका सौंदर्य भी स्पष्ट कीजिए : 10×5=50

(a) स्थाविर चिबुक की चामत्कारिक औषधि और कांधारी फलों के रस से शरीर में शीघ्र ही रसवृद्धि होकर पृथुसेन की प्राणशक्ति सामर्थ्य अनुभव करने लगी। उसी अनुपात में दिव्या की स्मृति और उसके लिए व्याकुलता का वेग बढ़ने लगा। जीवन का पांसा फेंक कर प्राप्त की हुई सफलता दिव्या के अभाव में उसे निस्सार जान पड़ने लगी।

(b) होरी प्रसन्न था। जीवन के सारे संकट, सारी निराशाएँ मानो उसके चरणों पर लोट रही थीं। कौन कहता है जीवन-संग्राम में वह हारा है? यह उल्लास, यह गर्व, यह पुलक क्या हार के लक्षण हैं? इन्हीं हारों में उसकी विजय है। उसके टूटे-फूटे अस्त्र उसकी विजय-पताकाएँ हैं। उसकी छाती फूल उठी है। मुख पर तेज आ गया है।

(c) कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक सामान्य भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत् की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोक-सत्ता में लीन किए रहता है। उसकी अनुभूति सबकी अनुभूति होती है या हो सकती है।

(d) मैं मानती हूँ माँ, अपवाद होता है। तुम्हारे दुःख की बात भी जानती हूँ। फिर भी मुझे अपराध का अनुभव नहीं होता। मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए यह संबंध और सब संबंधों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है ...।

(e) राष्ट्रनीति, दार्शनिकता और कल्पना का लोक नहीं है। इस कठोर प्रत्यक्षवाद की समस्या बड़ी कठिन होती है। गुप्त साम्राज्य की उत्तरोत्तर वृद्धि के साथ इसका दायित्व भी बढ़ गया है। पर उस बोझ को उठाने के लिए गुप्तकुल के शासक प्रस्तुत नहीं, क्योंकि साम्राज्य-लक्ष्मी को अब अनायास और अवश्य अपनी शरण में आने वाली वस्तु समझने लगे हैं।

6. *(a)* "भारतेन्दु के कुछ नाटकों में गदर की साहित्यिक प्रतिक्रिया प्रकट हुई है।" 'भारत दुर्दशा' के विशेष संदर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। 20

(b) राजेन्द्र यादव की कहानियों में समकालीनता का स्वर है, प्रतिपादित कीजिए। 15

(c) कुबेरनाथ राय के ललित निबंधों की भावात्मक और विचारात्मक पृष्ठभूमि का परिचय दीजिए। 15

7. *(a)* 'स्कन्दगुप्त' नाटक प्रसाद के जीवन-मूल्यों का कौन-कौन संदर्भ उद्घाटित करता है? 20

(b) राजेन्द्र यादव की कहानियों की विशेषताएँ बताइए। 15

(c) 'ईदगाह' या 'पूस की रात' कहानियों में से किसी एक की समीक्षात्मक विवेचना कीजिए। 15

8. *(a)* 'दिव्या' उपन्यास देश की गौरवगाथा मात्र नहीं है, अपितु आगे की दिशा भी तलाशती है। इस पर विचार प्रस्तुत कीजिए। 20

(b) आंचलिक उपन्यास के रूप में 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए। 15

(c) एक राजनैतिक उपन्यास के रूप में 'महाभोज' का विवेचन कीजिए। 15

★ ★ ★

CS (MAIN) Exam:2016

M-ESC-D-HND

हिन्दी / HINDI

पेपर II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घंटे
*Time Allowed : **Three** Hours*

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं ती प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

*उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी च वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attemptin questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.***

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions no. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to b attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page le blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. निम्नलिखित काव्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) प्रस्तुत करते हुए उनके काव्य-सौंदर्य का परिचय दीजिए : *10×5=50*

(a) स्याम मुख देखे ही परतीति ।
जो तुम कोटि जतन करि सिखवत जोग ध्यान की रीति ।।
नाहिंन कछू सयान ज्ञान में यह हम कैसे मानैं ।
कहौ कहा कहिए या नभ को कैसे उर में आनैं ।।
यह मन एक, एक वह मूरति भृंगकीट सम माने ।
सूर सपथ दै बूझत ऊधौ यह ब्रज लोग सयाने ।। *10*

(b) कहेहु तात अस मोर प्रनामा । सब प्रकार प्रभु पूरनकामा ।।
दीन दयाल बिरिदु संभारी । हरहु नाथ मम संकट भारी ।। *10*

(c) चेतना का सुंदर इतिहास अखिल मानव भावों का सत्य;
विश्व के हृदय-पटल पर दिव्य अक्षरों से अंकित हो नित्य
विधाता की कल्याणी सृष्टि सफल हो इस भूतल पर पूर्ण;
पटें सागर, बिखरें ग्रह-पुंज और ज्वालामुखियाँ हों चूर्ण । *10*

(d) बालहीना माता की पुकार कभी आती, और आता आर्त्तनाद पितृहीन बाल का;
आँख पड़ती है जहाँ, हाय वहीं देखता हूँ सेंदुर पुँछा हुआ सुहागिनी के भाल का;
बाहर से भाग कक्ष में जो छिपता हूँ कभी, तो भी सुनता हूँ अट्टहास क्रूर काल का;
और सोते-जागते में चौंक उठता हूँ, मानो शोणित पुकारता हो अर्जुन के लाल का । *10*

(e) शत घूर्णावर्त, तरंग भंग, उठते पहाड़
जल राशि-राशि जल पर चढ़ता खाता पछाड़
तोड़ता बंध-प्रतिसंध धरा, हो स्फीत वक्ष
दिग्विजय-अर्थ प्रतिपल समर्थ बढ़ता समक्ष । *10*

Q2. (a) 'भक्ति-आंदोलन का जन-साधारण पर जितना व्यापक प्रभाव हुआ, उतना किसी अन्य आंदोलन का नहीं' — इस कथन की सार्थकता पर विचार करते हुए कबीर की भूमिका पर प्रकाश डालिए । 20

(b) 'पद्मावत' काव्य में वर्णित विरह-भावना विप्रलंभ शृंगार की सैद्धांतिक सीमाओं का किन-किन संदर्भों में उल्लंघन करती दिखाई देती है ? विश्लेषण कीजिए । 15

(c) बिहारी की काव्यकला अपनी ध्वनिक्षम संभावनाओं के साथ-साथ रसाभिव्यक्ति में भी पूरी तरह से सक्षम है — तर्कसम्मत उत्तर प्रस्तुत कीजिए । 15

Q3. (a) सिद्ध कीजिए कि 'असाध्य वीणा' सृजनात्मकता के रहस्य को उसकी समग्रता में अभिव्यक्त करती है । 20

(b) वैश्वीकृत परिदृश्य में मुक्तिबोध की कविता का पुनर्पाठ प्रस्तुत कीजिए । 15

(c) नागार्जुन की लोक-दृष्टि के आधारभूत तत्त्व कौन-कौन से हैं ? समीक्षा कीजिए । 15

Q4. (a) भ्रमर गीत के माध्यम से सूरदास ने किस प्रकार अपनी गहन भक्ति-भावना और अप्रतिम काव्य-कला का परिचय दिया है ? विवेचन कीजिए । 20

(b) युद्ध की विभीषिका को दिनकर ने अपने काव्य 'कुरुक्षेत्र' में किस प्रकार रेखांकित किया है ? समीक्षा कीजिए । 15

(c) स्वतंत्रता-संग्राम के व्यापक परिप्रेक्ष्य में मैथिलीशरण गुप्त की 'भारत-भारती' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । 15

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ-सहित व्याख्या (लगभग 150 शब्दों में) कीजिए और उनका सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए :** *10×5=50*

(a) हाय ! भारत को आज क्या हो गया है ? क्या निस्संदेह परमेश्वर इससे ऐसा ही रूठा है ? हाय, क्या अब भारत के फिर वे दिन न आवेंगे ? हाय, यह वही भारत है, जो किसी समय सारी पृथ्वी का शिरोमणि गिना जाता था । *10*

(b) अधिकार-सुख कितना मादक और सारहीन है । अपने को नियामक और कर्ता समझने की बलवती स्पृहा उससे बेगार कराती है । उत्सवों में परिचारक और अस्त्रों में ढाल से भी अधिकार-लोलुप मनुष्य क्या अच्छे हैं ? *10*

(c) ठाकुर ठीक ही तो कहते हैं, जब हाथ में रुपए आ जाएँ, गाय ले लेना । तीस रुपए का कागद लिखने पर कहीं पचीस रुपए मिलेंगे और तीन-चार साल तक न दिए जाएँ, तो पूरे सौ हो जाएँगे । पहले का अनुभव यही बता रहा था कि कर्ज़ वह मेहमान है, जो एक बार आकर जाने का नाम नहीं लेता । *10*

(d) दारुण व्यथा और आघात से उसके जड़ मस्तिष्क में केवल एक ही बात स्पष्ट थी — वेश्या स्वतंत्र नारी है । परतंत्र होने के कारण उसके लिए कहीं शरण और स्थान नहीं । दासी होकर वह परतंत्र हो गई ? ... वह स्वतंत्र थी ही कब ? ... अपनी संतान को पा सकने की स्वतंत्रता के लिए ही उसने दासत्व स्वीकार किया । अपना शरीर बेचकर उसने इच्छा को स्वतंत्र रखना चाहा । परंतु स्वतंत्रता मिली कहाँ ? कुल-नारी के लिए स्वतंत्रता कहाँ है ? *10*

(e) मैं अनुभव करता हूँ कि यह ग्राम-प्रांतर मेरी वास्तविक भूमि है । मैं कई सूत्रों से इस भूमि के साथ जुड़ा हूँ । उन सूत्रों में तुम हो, यह आकाश और ये मेघ हैं, यहाँ की हरियाली, हरिणों के बच्चे, पशुपाल हैं । ... यहाँ से जाकर मैं अपनी भूमि से उखड़ जाऊँगा । *10*

Q6. (a) 'कविता क्या है' के आधार पर रामचंद्र शुक्ल की कविता संबंधी मूलभूत दृष्टि और उसकी सार्थकता पर विचार कीजिए । *20*

(b) प्रेमचंद ने हिन्दी में पहली बार गाँव और कृषक जीवन को अपने उपन्यास-लेखन का केंद्रीय विषय बनाया । 'गोदान' के माध्यम से प्रेमचंद की उक्त औपन्यासिक-दृष्टि की सांस्कृतिक समीक्षा प्रस्तुत कीजिए । *15*

(c) हिन्दी निबंध-साहित्य का विषयगत वैविध्य भारतीय संस्कृति की बहुविध विशेषताओं को कैसे शब्दबद्ध कर रहा है ? विवेचन कीजिए । *15*

Q7. (a) प्रवृत्तिगत दृष्टि से क्या नई कहानी पूर्ववर्ती कहानी की मात्र निरंतरता है या विच्छेद ? तर्क सम्मत उत्तर दीजिए । *20*

(b) 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक के त्रासदीय तत्त्वों का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए । *15*

(c) 'महाभोज' उपन्यास को क्या एक सशक्त राजनीतिक उपन्यास का दर्जा दिया जा सकता है ? उपन्यास में चित्रित पात्रों के आधार पर समीक्षा कीजिए । *15*

Q8. (a) 'मैला आँचल' में निहित सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक संक्रमण पर प्रकाश डालिए । *20*

(b) 'जयशंकर प्रसाद के नाटकों के स्त्री-पात्र सदैव श्रेष्ठ रहे हैं ।' इस कथन के आलोक में 'स्कंदगुप्त' में स्त्री-पात्र-परिकल्पना की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) 'भारत दुर्दशा' का इच्छित आदर्श क्या है ? समीक्षात्मक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए । *15*

वियोज्य DETACHABLE

हिन्दी (प्रश्न-पत्र II)
(साहित्य)
HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **Two Sections.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A'   SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्घाटित हो सके : 10×5=50

1.(a) जीवन मुँहचाही को नीको,
दरस परस दिन रात करति है कान्ह पियारे पी को ।
नयनन मूँदि-मूँदि किन देखौ बँध्यो ज्ञान पोथी को ।
आछे सुन्दर स्याम मनोहर और जगत सब फीको ।
'सुनौ जोग को का लै कीजै जहाँ ज्यान ही जी को ?'
खाटी मही नही रुचि मानै सूर खवैया घी को ।। 10

1.(b) ऋषिनारि उधारि कियो सठ केवट मीत पुनीत सुकीर्ति लही ।
निजलोक दियो सबरी खग को कपि थाप्यो सो मालुम है सबही ।
दससीस विरोध सभीत विभीषण भूप कियो जग लीक रही ।
करुणानिधि को भजु रे तुलसी रघुनाथ अनाथ के नाथ सही । 10

1.(c) (i) सायक सम मायक नयन रंगे त्रिविध रंग गात ।
झखौ बिलखि दुरि जात जल लखि जलजात लजात ।।

(ii) सब ही त्यौं समुहाति छिनु, चलति सबनु दै पीठि ।
वाही त्यौं ठहराति यह, कविलनवी लौं दीठि ।। 10

1.(d) अंधकार के अट्टहास सी मुखरित सतत चिरंतन सत्य,
छिपी सृष्टि के कण-कण में तू यह सुंदर रहस्य है नित्य ।
जीवन तेरा क्षुद्र अंश है व्यक्त नील घनमाला में,
सौदामिनी संधि सा सुंदर क्षण भर रहा उजाला में । 10

1.(e) पिस गया वह भीतरी
औ' बाहरी दो कठिन पाटों वीच,
ऐसी ट्रेजिडी है नीच !!
बावड़ी में वह स्वयं
पागल प्रतीकों में निरन्तर कह रहा
वह कोठरी में किस तरह
अपना गणित करता रहा
औ' मर गया । 10

2.(a) 'कबीर की कविता ''अस्वीकार'' के साथ-साथ स्वीकार की भी कविता है ।'— इस कथन के संदर्भ में कबीर काव्य का विश्लेषण कीजिए । 20

2. (b) "काव्य, जीवन को अर्थवत्ता प्रदान करता है और काव्य की अर्थवत्ता बिम्ब से निर्मित होती है ।" — इस कथन के आलोक में सूरदास के काव्य का मूल्यांकन कीजिए । 15

2. (c) "जायसी कृत 'पद्मावत' में वर्णित 'प्रेम', सौंदर्य, भाव-गांभीर्य और माधुर्य की त्रिवेणी से उद्भासित है ।"— इस कथन के संदर्भ में जायसी की प्रेम-व्यञ्जना का विवेचन कीजिए । 15

3. (a) " 'भारत-भारती' की राष्ट्रीय-चेतना हिन्दू जातीयता पर अवलंबित है ।" इस कथन के संदर्भ में अपना मत सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए । 20

3. (b) "निराला की रचना 'कुकुरमुत्ता' अनुभूतिगत एवं अभिव्यक्तिगत दोनों स्तरों पर काव्य-आभिजात्य से मुक्ति का महत् प्रयास है ।" इस कथन की व्याख्या करते हुए निराला के काव्य-सौन्दर्य को उद्घाटित कीजिए । 15

3. (c) "अज्ञेय ने 'असाध्यवीणा' कविता में अनेक मिथकों के माध्यम से अभीष्ट एवं सार्थक बिम्बों का सृजन किया है ।" अज्ञेय की काव्य-कला के संदर्भ में विचार कीजिए । 15

4. (a) "दिनकर की रचना 'कुरुक्षेत्र' के सृजन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयोजन 'शिवेतरक्षतये' भी है ।" — अपने मत को सोदाहरण एवं तर्क सहित प्रस्तुत कीजिए । 20

4. (b) "मुक्तिबोध ने 'ब्रह्मराक्षस' कविता में फैण्टेसी शैली के माध्यम से कविता जैसी विधा में नाटकीय प्रभाव की सृष्टि की है ।" — इस कथन की तर्क एवं उदाहरण सहित विवेचना कीजिए । 15

4. (c) "नागार्जुन अकाल को प्राकृतिक अभिशाप के रूप में कम, मानवीय अभिशाप के रूप में ज्यादा देखते हैं ।" — इस कथन के आलोक में नागार्जुन के काव्य की समीक्षा कीजिए । 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए । **(प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में)** 10×5=50

5. (a) हा ! भारतवर्ष को ऐसी मोहनिद्रा ने घेरा है कि अब उसके उठने की आशा नहीं । सच है, जो जान बूझकर सोता है उसे कौन जगा सकेगा ? हा दैव ! तेरे विचित्र चरित्र हैं, जो कल राज करता था वह आज जूते में टांका उधार लगवाता है । कल जो हाथी पर सवार फिरते थे, आज नंगे पाँव बन-बन की धूल उड़ाते फिरते हैं । 10

5. (b) ज्यों-ज्यों सभ्यता बढ़ती जायेगी त्यों-त्यों कवियों के लिए यह काम बढ़ता जायेगा । इससे यह स्पष्ट है कि ज्यों-ज्यों हमारी वृत्तियों पर सभ्यता के नये-नये आवरण चढ़ते जायेंगे त्यों-त्यों एक ओर तो कविता की आवश्यकता बढ़ती जायेगी, दूसरी ओर कवि-कर्म कठिन होता जायेगा । 10

5. (c) मैं फिर काम शुरू करूंगा — यहीं इसी गाँव में, मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी धरती पर प्यार के पौधे लहलहायेंगे। मैं साधना करूँगा, ग्रामवासिनी भारतमाता के मैले आँचल तले। कम से कम एक ही गाँव के कुछ प्राणियों के मुरझाये ओठों पर मुस्कराहट लौटा सकूँ। उनके हृदय में आशा और विश्वास को प्रतिष्ठित कर सकूँ। 10

5. (d) याद वह करती है, किंतु जैसे किसी पुरानी तस्वीर के धूल भरे शीशे को साफ कर रही हो। अब वैसा दर्द नहीं होता। सिर्फ उस दर्द को याद करती है, जो पहले कभी होता था। तब उसे अपने पर ग्लानि होती है। वह फिर जान-बूझकर उस घाव को कुरेदती है, जो भरता जा रहा है। 10

5. (e) आवेग एक वस्तु है, जीवन दूसरी। जीवन जल का पात्र है, आवेग उसमें बुदबुदा मात्र है। जीवन की सफलता के लिए किसी समय आवेग का दमन आवश्यक हो जाता है, जैसे रोग में पथ्य अरुचिकर होने पर भी उपयोगिता के विचार से ग्रहण किया जाता है। 10

6. (a) ''चूंकि कृषक जीवन की समस्या उस समय के भारत की मुख्य समस्या थी, इसलिए 'गोदान' में कृषक जीवन की ट्रेजडी का आख्यान मानो युगीन समस्याओं का प्रतिनिधि आख्यान है।'' इस कथन की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। 20

6. (b) ''मैला आँचल में अभिव्यक्त स्त्री-पुरूष संबंध एक नवीन मुक्ति के पक्ष में है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तार्किक व्याख्या कीजिए। 15

6. (c) '' 'महाभोज' स्वातंत्र्योत्तर भारतीय राजनीति की विकृति के पर्दाफाश का ज्वलंत दस्तावेज है।''— तर्क एवं उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए। 15

7. (a) 'भारत-दुर्दशा' प्राय: कथाविहीन, घटनाविहीन नाट्य-रचना है। फिर भी इसके मंचन की संभावनाएँ कम नहीं हैं।' अभिनेयता की दृष्टि से विवेचन कीजिए। 20

7. (b) 'स्कंदगुप्त' नाटक की प्रमुख समस्या राष्ट्रीय-सुरक्षा की समस्या है। प्रसाद की नाट्य-दृष्टि के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

7. (c) ''दूध और दवा'' कहानी की मूल संवेदना आदर्श और यथार्थ के द्वंद्व एवं संघर्ष से निर्मित है। — इस कथन के संदर्भ में कहानी की समीक्षा कीजिए। 15

8. (a) ''कविता क्या है'' निबंध के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की ''कविता की भाषा'' विषयक मान्यताओं पर प्रकाश डालिए। 20

8. (b) क्या प्रेमचंद की कहानियाँ घटना प्रधान अधिक और चरित्र प्रधान कम हैं ? आलोचनात्मक टिप्पणी लिखते हुए अपने मत का प्रतिपादन कीजिए। 15

8. (c) ''नन्हो'' कहानी की भाषा ग्रामीण मुहावरों और शब्दों से युक्त जीवंत भाषा है।' कथन के आलोक में कहानी के भाषा-सौंदर्य को उद्घाटित कीजिए। 15

वियोज्य *DETACHABLE*

हिन्दी (प्रश्न पत्र II)
(साहित्य)

HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पांच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्‌घाटित हो सके : $10 \times 5 = 50$

1.(a) प्रकृति जोई जाके अंग परी ।
स्वान-पूँछ कोटिक जो लागै सूधि न काहु करी ।
जैसे काग भच्छ नहिं छाँड़ै जनमत जौन घरी ।
धोये रंग जात कहु कैसे ज्यों कारी कमरी ।
ज्यों अहि डसत उदर नहिं पूरत ऐसी धरनि धरी ।
सूर होउ सो होउ सोच नहिं, तैसे हैं एउ री ।। 10

1.(b) सुनु रावन ब्रह्मांड निकाया । पाइ जासु बल बिरचति माया ।
जाके बल बिरंचि हरि ईसा । पालत सृजत हरत दससीसा ।
जा बल सीस धरत सहसासन । अंडकोस समेत गिरि कानन ।
धरइ जो बिबिध देह सुरत्राता । तुम्ह से सठन सिखावनु दाता ।
हर कोदंड कठिन जेहिं भंजा । तेहि समेत नृप दल मद गंजा । 10

1.(c) पावक सो नयननु लगै जावकु लाग्यो भाल ।
मुकुरु होहुगे नैंक मैं, मुकुरु बिलोको लाल ।।
तखिन-कनकु कपोल-दुति बिच ही बीच बिकान ।
लाल लाल चमकतिं चुनीं चौका-चीन्ह-समान ।। 10

1.(d) उषा की पहिली लेखा कांत,
माधुरी से भींगी भर मोद;
मदभरी जैसे उठे सलज्ज
भोर की तारक-द्युति की गोद । 10

1.(e) अवतरित हुआ संगीत स्वयंभू
जिसमें सोता है अखण्ड
ब्रह्मा का मौन
अशेष प्रभामय । 10

2.(a) नीरस निर्गुण मत में कबीर ने 'ढाई आखर' जोड़ने की पहल किससे प्रेरित हो कर की और क्यों ? अपने कथन की पुष्टि कीजिए । 20

2.(b) जायसी की सौन्दर्य-संचेतना में उनकी ऊहा शक्ति साधक रही है या बाधक ? सोदाहरण समझाइए । 15

2.(c) "निराला कृत 'कुकुरमुत्ता' में व्यंग्य-विद्रूप के साथ भारतीय अस्मिता का जयघोष है"— युक्तियुक्त उत्तर दीजिए । 15

3.(a) "कुरुक्षेत्र में युग प्रबुद्ध उद्विग्न मानस का जो द्वन्द्व चित्रित हुआ है, उससे उसकी प्रबन्धात्मकता भी प्रभावित हुई है।" पक्षापक्ष विमर्श कीजिए। 20

3.(b) "मुक्तिबोध रचित 'ब्रह्मराक्षस' की उपलब्धि है भयानक अंगीरस, तिलिस्मी 'वस्तु' और आवेग-कल्पना-संवेदना का संगम।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 15

3.(c) 'असाध्य वीणा' के किरीटी तरु में जो ध्वनियाँ समाहित हुईं और वीणा वादन के बीच जो ध्वनियाँ झंकृत हुईं उनके साम्य वैषम्य पर विचार प्रस्तुत कीजिए। 15

4.(a) 'सुन्दर' शब्द पर विचार करते हुए 'सुन्दरकांड' के वस्तु-शिल्प-सौन्दर्य की विवेचना कीजिए। 20

4.(b) हिन्दी भ्रमरगीत-परंपरा में सूरदास कृत भ्रमरगीत का वैशिष्ट्य निरूपित कीजिए। 15

4.(c) "कामायनी" को 'चेतना का सुन्दर इतिहास' और 'अखिल मानव-भावों का सत्य'– शोधक काव्य क्यों कहा गया है ? अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए : (प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में) 10×5=50

5.(a) भगवान् सोम की मैं कन्या हूँ। प्रथम वेदों ने मधु नाम से मुझे आदर दिया। फिर देवताओं की प्रिया होने से मैं सुरा कहलाई और मेरे प्रचार के हेतु श्रौत्रामणि यज्ञ की सृष्टि हुई। स्मृति और पुराणों में भी प्रवृत्ति मेरी नित्य कही गई। तंत्र केवल मेरी ही हेतु बने। संसार में चार मत बहुत प्रबल हैं। इन चारों में मेरी चार पवित्र प्रेम मूर्ति विराजमान हैं। 10

5.(b) श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है। जब पूज्य भाव की वृद्धि के साथ श्रद्धा भाजन के सामीप्य-लाभ की प्रवृत्ति हो, उसकी सत्ता के कई रूपों के साक्षात्कार की वासना हो, तब हृदय में भक्ति का प्रादुर्भाव समझना चाहिए। 10

5.(c) उस हिमालय के ऊपर प्रभात-सूर्य की सुनहरी प्रभा से आलोकित प्रभा का, पीले पोखराज का सा, एक महल था। उसी से नवनीत की पुतली झाँक कर विश्व को देखती थी। वह हिम की शीतलता से सुसंगठित थी। सुनहरी किरणों को जलन हुई। तप्त हो कर महल को गला दिया। पुतली ! उसका मंगल हो, हमारे अश्रु की शीतलता उसे सुरक्षित रखे। कल्पना की भाषा के पंख गिर जाते हैं, मौन-नीड़ में निवास करने दो। छेड़ो मत मित्र ! 10

5. (d) संस्कृति में सदैव आदान-प्रदान होता आया है, लेकिन अंधी नकल तो मानसिक दुर्बलता का ही लक्षण है । पश्चिम की स्त्री आज गृह स्वामिनी नहीं रहना चाहती । भोग की विदग्ध लालसा ने उसे उच्छृंखल बना दिया है । लज्जा और गरिमा को, जो उसकी सबसे बड़ी विभूति थी, चंचलता और आमोद-प्रमोद पर वह होम कर रही है । 10

5. (e) सौन्दर्य का ऐसा साक्षात्कार मैंने कभी नहीं किया । जैसे वह सौन्दर्य अस्पृश्य होते हुए भी मांसल हो । तभी मुझे अनुभव हुआ कि वह क्या है, जो भावना को कविता का रूप देता है । मैं जीवन में पहलीबार समझ पायी कि क्यों कोई पर्वत-शिखरों को सहलाती हुई मेघ-मालाओं में खो जाता है, क्यों किसी को अपने तन-मन की अपेक्षा आकाश से बनते-मिटते चित्रों का ईतना मोह हो रहता है । 10

6. (a) ''गोदान न केवल ग्रामीण जीवन का, बल्कि समूचे भारतीय जीवन की समस्याओं तथा यत्किंचित् सम्भावनाओं का आख्यान है ।'' इस स्थापना का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण कीजिए । 20

6. (b) 'मैला आँचल' 'ग्राम कथा' की कलात्मक परिणति है या 'आंचलिकता' की स्वतंत्र संरचना ? भारतीय आंचलिक उपन्यासों के परिप्रेक्ष्य में स्पष्ट कीजिए । 15

6. (c) 'महाभोज' में समसामयिक अव्यवस्था का मात्र निदान है अथवा विधेयात्मक समाधान भी ? तर्क पूर्वक समझाइए । 15

7. (a) ''गुप्त-कालीन प्रामाणिक इतिहास का अनुलेखन एवं कल्पनाधारित वस्तु-संयोजन 'स्कंदगुप्त' में परिलक्षित होते हैं ।'' इस कथन की सप्रमाण संपुष्टि कीजिए । 20

7. (b) 'नाट्यरासक' या 'लास्यरूपक' की शिल्प-विधि की दृष्टि से 'भारत दुर्दशा' का तात्त्विक मूल्यांकन कीजिए । 15

7. (c) 'चीफ की दावत' में नौकरशाही में व्याप्त स्वार्थ-लिप्सा के मनोविज्ञान का उद्घाटन कीजिए । 15

8. (a) आचार्य शुक्ल के निबन्धों की विभिन्न कोटियों का परिचय देते हुए मनोभावों से संबन्धित निबंधों का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए । 20

8. (b) 'दिव्या' में लेखक की यथार्थभेदी दृष्टि से भारत के स्वर्णकाल का इतिहास विरूपित हुआ है या अभिमण्डित ? युक्तियुक्त उत्तर दीजिए । 15

8. (c) उपन्यास की भाषा को कथ्य का अनुसरण करना क्या श्रेयस्कर माना जाएगा ? 'मैला आंचल' के संदर्भ में तर्क प्रस्तुत कीजिए । 15

वियोज्य DETACHABLE

हिन्दी (प्रश्न-पत्र II)
(साहित्य)
HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे
Time Allowed : Three Hours

अधिकतम अंक : 250
Maximum Marks : 250

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्‌घाटित हो सके : 10×5=50

1.(a) जाका गुर भी अंधला, चेला है जा चंध ।
अंधे अंधा ठेलिया, दून्यूं कूप पडंत ।।
ना गुर मिल्या न सिष भया, लालचि खेल्या दाव ।
दून्यूं बूड़े धार मैं, चढ़ि पाथर की नाव ।। 10

1.(b) नामु लिये पूतको पुनीत कियो पातकीसु,
आरति निवारी 'प्रभु पाहि' कहें पीलकी ।
छलनिको छोंड़ी, सो निगोड़ी छोटी जाति-पांति
कीन्ही लीन आपुमें सुनारी भोंड़े भीलकी ।। 10

1.(c) महत्ता के चरण में था
विषादाकुल मन !
मेरा उसी से उन दिनों होता मिलन यदि
तो व्यथा उसकी स्वयं जीकर
बताता मैं उसे उसका स्वयं का मूल्य
उसकी महत्ता ! 10

1.(d) आराधन का दृढ़ आराधन से दो उत्तर,
तुम वरो विजय संयत प्राणों से प्राणों पर,
रावण अशुद्ध होकर भी यदि कर सका त्रस्त,
तो निश्चय तुम हो सिद्ध करोगे उसे ध्वस्त,
शक्ति की करो मौलिक कल्पना, करो पूजन
छोड़ दो समर जब तक न सिद्धि हो, रघुनंदन ! 10

1.(e) जाने दो, वह कवि-कल्पित था,
मैने तो भीषण जाड़ों में
नभ-चुंबी कैलास शीर्ष पर,
महामेघ को झंझानिल से
गरज-गरज भिड़ते देखा है । 10

2.(a) 'भ्रमरगीत' की अवधारणा पर विचार करते हुये गोपियों की वाग्विदग्धता का परिचय दीजिये । 20

2.(b) बिहारी की सूक्ष्म सौंदर्य दृष्टि का निरूपण कीजिये । 15

2.(c) 'राम की शक्ति पूजा' में निराला के आत्मसंघर्ष की भी व्यथा-कथा है ।' सोदाहरण स्पष्ट कीजिये । 15

3.(a) 'ब्रह्मराक्षस के मिथकीय प्रयोग' की व्याख्या करते हुये मध्यवर्गीय जीवन की त्रासदी पर प्रकाश डालिये । 20

3.(b) 'कामायनी' विषम परिस्थितियों में जीवन के सृजन का महाकाव्य है ।' स्पष्ट कीजिये । 15

3.(c) 'अकाल के बाद' कविता की मूल संवेदना को सोदाहरण विवेचित कीजिये । 15

4.(a) 'भारत भारती' की राष्ट्रीय चेतना को आज के संदर्भ में समझाइये । 20

4.(b) 'कवितावली' के भाव सौंदर्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये । 15

4.(c) कवीर की भाषा सधुक्कड़ी है ।' इस कथन पर विचार कीजिये । 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए । (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) 10×5=50

5.(a) एक पगली-सी स्मृति, एक उद्भ्रान्त भावना चैपल के शीशों के परे पहाड़ी सूखी हवा में झुकी हुई वीपिंग विलोज की कांपती टहनियां, पैरों-तले चीड़ के पत्तों की धीमी-सी चिर-परिचित खड़-खड़ .... वहीं पर गिरीश एक हाथ में मिलिटरी का खाकी हैट लिए खड़ा है — चौड़े, उठे सबल कन्धे, अपना सिर वहाँ टिका दो तो जैसे सिमटकर खो जायगा .... । 10

5.(b) फूट, डाह, लोभ, भय, उपेक्षा, स्वार्थपरता, पक्षपात, हठ, शोक, अश्रुमार्जन और निर्बलता — इन एक दरजन दूती और दूतों को शत्रुओं की फौज में हिला-मिलाकर ऐसा पंचामृत बनाया कि सारे शत्रु बिना मारे घंटा पर के गरुड़ हो गए । 10

5.(c) अब भी उत्साह का अनुभव नहीं होता .... ? विश्वास करो तुम यहाँ से जाकर भी यहाँ से अलग नहीं होओगे । यहाँ की वायु, यहाँ के मेघ और यहाँ के हरिण, इन सबको तुम साथ ले जाओगे .... । और मैं भी तुम से दूर नहीं होऊँगी । जब भी तुम्हारे निकट होना चाहूँगी, पर्वत-शिखर पर चली जाऊँगी और उड़कर आते मेघों में घिर जाया करूँगी । 10

5.(d) ''क्या बताऊँ ? गरीबी की बीमारी थी । पाँच साल हो गये पेंशन पर बैठे, पर पेंशन अभी तक नहीं मिली । हर दस-पन्द्रह दिन में एक दरख्वास्त देते थे, पर वहाँ से या तो जवाब नहीं आता था और आता तो यही कि तुम्हारी पेंशन के मामले में विचार हो रहा है । इन पाँच सालों में मेरे सब गहने बेचकर हम लोग खा गए । फिर बर्तन बिके । अब कुछ नहीं बचा था । फाके होने लगे थे । चिन्ता में घुलते-घुलते और भूखे मरते-मरते उन्होंने दम तोड़ दिया ।'' 10

5.(e) मनुष्य के लिए कविता इतनी प्रयोजनीय वस्तु है कि संसार की सभ्य-असभ्य सभी जातियों में, किसी न किसी रूप में पायी जाती है । चाहे इतिहास न हो, विज्ञान न हो, दर्शन न हो, पर कविता का प्रचार अवश्य रहेगा । बात यह है कि मनुष्य अपने ही व्यापारों का ऐसा सघन और जटिल मंडल बाँधता चला आ रहा है । जिसके भीतर बंध-बंध वह शेष सृष्टि के साथ अपने हृदय का संबंध भूला-सा रहता है । 10

6.(a) 'मैला आंचल' की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालिए । 20

6.(b) 'भारत दुर्दशा' में अपने समय की विभीषिका का चित्रण हुआ है ।' स्पष्ट कीजिए । 15

6.(c) आ. हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों में तर्क और विचार के साथ भाव प्रवणता भी है ।' इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिये । 15

7.(a) 'दिव्या' स्त्री स्वतंत्रता का उद्घोष है ।' विवेचन कीजिए । 20

7.(b) 'रंगमंच' की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' की विवेचना कीजिये । 15

7.(c) 'जिंदगी और जोंक' में रजुआ की जिजीविषा पर प्रकाश डालिए । 15

8.(a) 'महाभोज' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिये । 20

8.(b) 'गोदान' की धनिया स्त्री चरित्र का उदात्त रूप है ।' सोदाहरण प्रकाश डालिये । 15

8.(c) 'श्रद्धा और भक्ति' के अंतर को स्पष्ट करते हुये आचार्य शुक्ल के निबंधों की विशेषता बताइये । 15

CS (Main) Exam, 2020 **वियोज्य DETACHABLE**

हिन्दी (प्रश्न-पत्र II)
(साहित्य)
HINDI (Paper II)
(LITERATURE)

निर्धारित समय : तीन घण्टे *Time Allowed : Three Hours*	*अधिकतम अंक : 250* *Maximum Marks : 250*

प्रश्न-पत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं ।

परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएंगे ।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions.

There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS.**

Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड 'A' SECTION 'A'

1. निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में ऐसी व्याख्या कीजिए कि इसमें निहित काव्य-मर्म भी उद्घाटित हो सके : 10×5=50

1.(a) कबीर प्रेम न चषिया, चषि न लीया साव ।
सूनें घर का पाहुणां, ज्यूं आया त्यूं जाव ॥
कबीर चित चमंकिया, चहुं दिसि लागी लाइ ।
हरि सुमिरण हाथूं घड़ा, बेगे लेहु बुझाइ ॥ 10

1.(b) खेलन सिखए, अलि, भलै चतुर अहेरी मार ।
कानन-चारी नैन-मृग नागर नरनु सिकार ॥
लग्यो सुमनु ह्वै है सफलु, आतप-रोसु निवारि ।
बारी, बारी आपनी सींचि सुहृदता-बारि ॥ 10

1.(c) जिसकी प्रभा के सामने रवि-तेज भी फीका पड़ा,
अध्यात्म-विद्या का यहाँ आलोक फैला था बड़ा!
मानस-कमल सबके यहाँ दिन-रात रहते थे खिले,
मानो सभी जन ईश की ज्योतिश्छटा में थे मिले ॥ 10

1.(d) शोषण की शृंखला के हेतु बनती जो शांति,
युद्ध है, यथार्थ में, व' भीषण अशांति है;
सहना उसे हो मौन, हार मनुजत्व की है,
ईश की अवज्ञा घोर, पौरुष की श्रांति है;
पातक मनुष्य का है, मरण मनुष्यता का,
ऐसी शृंखला में धर्म विप्लव है, क्रांति है । 10

1.(e) अलस अँगड़ाई लेकर मानो जाग उठी थी वीणा :
किलक उठे थे स्वर-शिशु ।
नीरव पद रखता जालिक मायावी
सधे करों से धीरे-धीरे
डाल रहा था जाल हेम तारों का । 10

2.(a) 'कवितावली' में निहित युगीन संदर्भों का सोदाहरण विवेचन कीजिए । 20

2.(b) "'पद्मावत' में आध्यात्मिक प्रेम की झाँकियाँ विद्यमान हैं ।" इस कथन से आप कहां तक सहमत हैं ? सोदाहरण समझाइए । 15

2.(c) 'मुक्तिबोध अपनी कविता में एक सच्चा-खरा और संघर्षशील संसार रचते हैं ।' इस कथन की समीक्षा कीजिए । 15

3. (a) "'कुरुक्षेत्र' एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 20

3. (b) 'प्रसाद मूलतः प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं।' इस कथन के आधार पर 'कामायनी' में अभिव्यक्त प्रेम एवं सौंदर्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। 15

3. (c) 'सूरदास में जितनी सहृदयता और भावुकता है, प्रायः उतनी चतुरता और वाग्विदग्धता भी है।' 'भ्रमरगीत-सार' के परिप्रेक्ष्य में विवेचना कीजिए। 15

4. (a) कबीरदास के रचना-संसार में निहित समाज-चिंता पर प्रकाश डालिए। 20

4. (b) 'राम की शक्तिपूजा' एक पराजित मन और दूसरे अपराजित मन के अस्तित्व की अनुभूति है। इस कथन की व्याख्या करते हुए निराला के काव्य का मूल्यांकन कीजिए। 15

4. (c) नागार्जुन की कविता में प्रकृति वर्णन का विवेचन कीजिए। 15

खण्ड 'B' SECTION 'B'

5. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए और उसका भाव-सौंदर्य प्रतिपादित कीजिए। (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) 10×5=50

5. (a) इस गतिशील जगत् में परिवर्तन पर आश्चर्य ! परिवर्तन रुका कि महापरिवर्तन — प्रलय हुआ ! परिवर्तन ही सृष्टि है, जीवन है। स्थिर होना मृत्यु है, निश्चेष्ट शांति मरण है। प्रकृति क्रियाशील है। समय पुरुष और स्त्री की गेंद लेकर दोनों हाथ से खेलता है। 10

5. (b) राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक एक क्षण का महत्त्व है। कभी एक क्षण भी स्खलित हो जाए, तो बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीतिक जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरूक रहना पड़ता है। 10

5. (c) यदि प्रेम स्वप्न है, तो श्रद्धा जागरण है। प्रेम प्रिय को अपने लिए और अपने को प्रिय के लिए संसार से अलग करना चाहता है। प्रेम में केवल दो पक्ष होते हैं और श्रद्धा में तीन। प्रेम में कोई मध्यस्थ नहीं पर श्रद्धा में मध्यस्थ अपेक्षित है। 10

5. (d) मैं प्रेम को संदेह से ऊपर समझती हूँ। वह देह की वस्तु नहीं, आत्मा की वस्तु है। संदेह का वहाँ ज़रा भी स्थान नहीं और हिंसा तो संदेह का ही परिणाम है। वह संपूर्ण आत्म-समर्पण है। उसके मंदिर में तुम परीक्षक बनकर नहीं, उपासक बनकर ही वरदान पा सकते हो। 10

5.(e) और यह राजधानी ! जहाँ सब अपना है, अपने देश का है ..... पर कुछ भी अपना नहीं है, अपने देश का नहीं है । तमाम सड़कें हैं, जिन पर वह जा सकता है, लेकिन वे सड़कें कहीं नहीं पहुँचाती । उन सड़कों के किनारे घर हैं, बस्तियाँ हैं पर किसी भी घर में वह नहीं जा सकता । 10

6.(a) "'भारत दुर्दशा' नाटक में व्यंग्य को एक जबरदस्त हथियार के रूप में इस्तेमाल किया गया है ।" स्पष्ट कीजिए । 20

6.(b) "'दिव्या' ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में व्यक्ति और समाज की प्रवृत्ति और गति का चित्र है ।" इस कथन का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए । 15

6.(c) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा रचित निबंध 'कुटज' का तात्विक विवेचन कीजिए । 15

7.(a) 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर कविता के संबंध में निबंधकार के विचारों का विवेचन कीजिए । 20

7.(b) 'प्रसाद के नाटक भारत के इतिहास का पुनर्निर्माण करते हैं ।' 'स्कंदगुप्त' नाटक के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए । 15

7.(c) 'मैला आँचल' के आधार पर उपन्यासकार की जीवनदृष्टि का परिचय दीजिए । 15

8.(a) "'आषाढ़ का एक दिन' का कालिदास दुर्बल नहीं है; कोमल, अस्थिर और अंतर्द्वंद्व से पीड़ित है ।" इस कथन की सप्रमाण संपुष्टि कीजिए । 20

8.(b) "'गोदान' भारतीय कृषि जीवन का ज्वलंत दस्तावेज़ है ।" इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए । 15

8.(c) 'भोलाराम का जीव' के माध्यम से हरिशंकर परसाई की व्यंग्य चेतना पर प्रकाश डालिए । 15

CS (Main) Exam,2021

HXS–B–HND

हिन्दी (प्रश्न-पत्र–II)

(साहित्य)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

HINDI (PAPER–II)

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed in HINDI.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग *150* शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) काहे को रोकत मारग सूधो?
सुनहु मधुप! निर्गुन-कंटक तें राजपंथ क्यों रूँधौ?
कै तुम सिखै पठाए कुब्जा, कै कही स्यामघन जू धौं?
बेद पुरान सुमृति सब ढूँढ़ौ जुवतिन जोग कहूँ धौ?
ताको कहा परेखौ कीजै जानत छाछ न दूधौ।
सूर मूर अक्रूर गए लै ब्याज निबेरत ऊधौ॥

(b) धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटी सों, बेटा न ब्याहब, काहू की जाति बिगार न सोऊ।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको, रुचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खैबो मसीत को सोईबो, लैबो को, एकु न दैबे को दोऊ॥

(c) दुःख की पिछली रजनी बीच, विकसता सुख का नवल प्रभात।
एक परदा यह झीना नील, छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल—
ईश का वह रहस्य वरदान, कभी मत इसको जाओ भूल॥

(d) काँपते हुए किसलय, —झरते पराग समुदय,—
गाते खग नव-जीवन-परिचय, तरु मलय-वलय,
ज्योतिः प्रपात स्वर्गीय, —ज्ञात छवि प्रथम स्वीय—
जानकी-नयन-कमनीय प्रथम कम्पन तुरीय।

(e) दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) ''कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं।'' इस कथन के आलोक में कबीर की अभिव्यंजना शैली पर विचार कीजिए। 20

(b) ''जायसी ने इतिहास और कल्पना के सुंदर समन्वय से यह अत्यंत उत्कर्ष का महाकाव्य दिया है।'' इस कथन के आधार पर 'पद्मावत' की समीक्षा कीजिए। 15

(c) ''बिहारी ने अन्योक्तियों व सूक्तियों के माध्यम से जीवन के सत्य का सजीव वर्णन किया है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) अज्ञेय द्वारा रचित कविता 'असाध्य वीणा' की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। 20

(b) ''गुप्त जी ने 'भारत-भारती' के माध्यम से न सिर्फ अतीत के गौरव का गान किया है, बल्कि वर्तमान को भी झकझोरा है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

(c) ''दिनकर युगचेता कवि हैं।'' कुरुक्षेत्र से उदाहरण देते हुए इस कथन की सत्यता प्रमाणित कीजिए। 15

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) "'कामायनी' का गौरव उसके युगबोध, परिपुष्ट चिंतन, महत् उद्देश्य और प्रौढ़ शिल्प में निहित है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 20

(b) मुक्तिबोध की कविता 'ब्रह्मराक्षस' में अंतःस्यूत फैंटेसी को व्याख्यायित कीजिए। 15

(c) 'हरिजन गाथा' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए। 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या लगभग *150* शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) अंधकार का आलोक से, असत् का सत् से, जड़ का चेतन से और बाह्य जगत् का अंतर्जगत् से संबंध कौन कराती है? कविता ही न!

(b) प्रेम में कुछ मान भी होता है, कुछ महत्त्व भी। श्रद्धा तो अपने को मिटा डालती है और अपने मिट जाने को ही अपना इष्ट बना लेती है। प्रेम अधिकार करना चाहता है, जो कुछ देता है, उसके बदले में कुछ चाहता भी है।

(c) विधाता की सृष्टि में मानव ही सबसे बड़ा शक्तिशाली है। उसको पराजित करना असंभव है, प्रचण्ड शक्तिशाली बमों से भी नहीं। पागलों! आदमी—आदमी है, गिनीपिग नहीं।... सबारि ऊपर मानुस सत्य!

(d) साहित्यकार का लक्ष्य केवल महफिल सजाना और मनोरंजन का सामान जुटाना नहीं है—उसका दरजा इतना न गिराइए। वह देश-भक्ति और राजनीति के पीछे चलने वाली सचाई भी नहीं, बल्कि उनके आगे मशाल दिखाती हुई चलने वाली सचाई है।

(e) जिसे तुम नाश कहती हो, वह केवल परिवर्तन है। अमरता का अर्थ है अपरिवर्तन। कल्पना करो, संसार में कोई भी परिवर्तन न हो? उस संसार में क्या सुख और आकर्षण होगा?

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) "'गोदान' के पात्र व्यष्टिपरक न होकर वर्ग के प्रतिनिधि के रूप में आते हैं।" सिद्ध कीजिए। 20

(b) "रामचंद्र शुक्ल के निबंधों में बुद्धितत्त्व और हृदय की अनुभूति का सुंदर समन्वय हुआ है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

(c) 'महाभोज' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए। 15

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) "'भारत-दुर्दशा' अतीत गौरव की चमकदार स्मृति है, आँसू भरा वर्तमान है और भविष्य-निर्माण की भव्य प्रेरणा है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। 20

(b) "प्रसाद जी के नाटक न सुखांत हैं न दुःखांत, बल्कि वे प्रसादांत हैं।" इस कथन पर अपनी सहमति-असहमति व्यक्त कीजिए। 15

(c) गाँधीवादी विचारधारा के आलोक में बावनदास के चरित्र का विश्लेषण कीजिए। 15

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) ''मल्लिका की अनन्यता एवं सात्विक प्रेम 'आषाढ़ का एक दिन' की महती उपलब्धि है। उसके चरित्र में भारतीय आदर्श ललना साकार हो उठी है।'' इस कथन की तर्कसंगत मीमांसा कीजिए। 20

(b) 'साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है' निबंध की तात्विक समीक्षा कीजिए। 15

(c) '''चीफ़ की दावत' मध्यवर्गीय अवसरवादिता और मानवीय मूल्यों के विघटन का जीवंत दस्तावेज़ है।'' इस कथन की विवेचना कीजिए। 15

★ ★ ★

हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : **तीन** घंटे	अधिकतम अंक : **250**
*Time Allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं, जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** में छपे हैं ।*

*उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न / भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

*प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।*

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed in **HINDI**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each Section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित काव्यांशों की लगभग 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :** *10×5=50*

(a) पीछै लागा जाइ था, लोक वेद के साथि ।
आगै थैं सतगुर मिल्या, दीपक दीया हाथि ।।
दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट ।
पूरा किया बिसाहुणां, बहुरि न आँवौं हट्ट ।। *10*

(b) बेद पुरान बिहाइ सुपंथ कुमारग कोटि कुचाल चली है ।
काल कराल, नृपाल कृपालन राज समाज बड़ोई छली है ।।
बर्न-बिभाग न आस्रम धर्म, दुनी दुख-दोष-दरिद्र दली है ।
स्वारथ को परमारथ को कलि राम को नाम प्रताप बली है ।। *10*

(c) रससिंगार-मंजनु किए, कंजनु भंजनु दैन ।
अंजनु रंजनु हूँ बिना खंजनु गंजनु नैन ।।
तो पर वारौं उरबसी, सुनि, राधिके सुजान ।
तू मोहन कै उर बसी ह्वै उरबसी-समान ।। *10*

(d) कौन हो तुम वसंत के दूत विरस पतझड़ में अति सुकुमार ।
घन-तिमिर में चपला की रेख, तपन में शीतल मंद बयार ।
नखत की आशा-किरण समान, हृदय के कोमल कवि की कांत –
कल्पना की लघु लहरी दिव्य, कह रही मानस-हलचल शांत । *10*

(e) धिक् जीवन को जो पाता ही आया विरोध,
धिक् साधन जिसके लिए सदा ही किया शोध ।
जानकी ! हाय, उद्धार प्रिया का हो न सका । *10*

Q2. (a) भाव, भाषा एवं विचार की दृष्टि से निराला की 'कुकुरमुत्ता' कविता का मूल्यांकन कीजिए । *20*

(b) "गुप्त जी ने 'भारत-भारती' में अतीत का गौरव गान, वर्तमान को रचनात्मक ऊर्जा एवं जागरण का संदेश देने हेतु किया है ।" स्पष्ट कीजिए । *15*

(c) 'असाध्य वीणा' कविता का मूल स्रोत क्या है ? कवि ने कविता-सृजन की प्रक्रिया को किन स्तरों पर प्रस्तुत किया है ? *15*

Q3. (a) "सूरदास द्वारा भ्रमरगीत प्रसंग की योजना का मुख्य उद्देश्य निर्गुण पर सगुण की विजय दिखाना है ।" इस कथन की युक्तिसंगत समीक्षा कीजिए । *20*

(b) "जायसी ने नागमती के वियोग-वर्णन द्वारा नारी की व्यथा-कथा को प्रस्तुत किया है ।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । *15*

(c) "दिनकर ने 'कुरुक्षेत्र' में युधिष्ठिर और भीष्म के माध्यम से अपने ही मानसिक अंतर्द्वंद्वों को अभिव्यक्त किया है ।" कथन का तर्कपूर्ण विवेचन कीजिए । *15*

Q4. (a) कबीर-वाणी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में कितनी प्रासंगिक है ? उदाहरण सहित लिखिए । *20*

(b) 'ब्रह्मराक्षस' अस्तित्ववादी मान्यताओं और खंडित व्यक्तित्व का प्रतीक है । इस कथन के आलोक में 'ब्रह्मराक्षस' कविता की मूल संवेदना पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) 'हरिजन गाथा' कविता के आधार पर नागार्जुन की जनवादी दृष्टि की मीमांसा कीजिए । *15*

SECTION B

Q5. **निम्नलिखित अवतरणों की लगभग 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :** *10×5=50*

(a) जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है । कुटज सब मिथ्याचारों से मुक्त है । वह वशी है । वह वैरागी है । *10*

(b) कौन कहता है कि हम-तुम आदमी हैं । हममें आदमियत कहाँ ? आदमी वह है जिसके पास धन है, अख़्तियार है, इलम है । हम लोग तो बैल हैं और जुतने के लिए पैदा हुए हैं । *10*

(c) संपूर्ण संसार कर्मण्य वीरों की चित्रशाला है । वीरत्व एक स्वावलंबी गुण है । प्राणियों का विकास संभवतः इसी विचार के ऊर्जित होने से हुआ है । जीवन में वही तो विजयी होता है जो दिन-रात 'युद्धस्व विगतज्वरः' का शंखनाद सुना करता है । *10*

(d) परलोक में अधिक भोग का अवसर पाने की कामना से किया गया यह त्याग त्याग नहीं । तुम्हारी आशा और विश्वास के अनुसार यह त्याग भोग की आशा का मूल्य है, भोग की इच्छा है तो साधन रहते भोग करो । *10*

(e) काव्य-साहित्य और अन्य कलाएँ मूलतः सृजनात्मक हैं, अतः उनमें राजनीति के कार्य-विभाजन जैसा कोई विभाजन संभव ही नहीं होता । कोई भी सच्चा कलाकार ध्वंसयुग का अग्रदूत रहकर निर्माण का भार दूसरों पर नहीं छोड़ सकता, क्योंकि उसकी रचना तो निर्माण तक पहुँचने के लिए ही ध्वंस का पथ पार करती है । *10*

Q6. (a) 'भारत दुर्दशा' नाटक अंग्रेज़ी राज्य की अप्रत्यक्ष रूप से कटु और सच्ची आलोचना है । विश्लेषण कीजिए । *20*

(b) " 'दिव्या' इतिहास नहीं, ऐतिहासिक कल्पना मात्र है ।" इस कथन के आधार पर 'दिव्या' उपन्यास में इतिहास और कल्पना के समन्वय का विवेचन कीजिए । *15*

(c) 'गोदान' की भाषा और उसके शिल्प की विशेषताएँ बताइए । *15*

Q7. (a) " 'आषाढ़ का एक दिन' की मल्लिका स्वाधीन चेता स्त्री के जीवन के स्वाभिमान और विडंबना को चरितार्थ करती है ।" इस कथन की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'मेरे राम का मुकुट भीग रहा है' निबंध की ललित निबंध के रूप में तात्त्विक समीक्षा कीजिए । *15*

(c) " 'महाभोज' उपन्यास राजनीतिक विकृतियों का सच्चा दस्तावेज़ है ।" इस कथन से आप कितने सहमत हैं, तर्कसंगत मीमांसा कीजिए । *15*

Q8. (a) 'कविता क्या है' निबंध के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल के काव्य विषयक विचार प्रस्तुत कीजिए । *20*

(b) 'नयी कहानी' की अवधारणा के संदर्भ में निर्मल वर्मा की कहानी 'परिंदे' की समीक्षा कीजिए । *15*

(c) 'मैला आँचल' उपन्यास की भाषा, परिवेश को जीवंत करने में कितनी सफल सिद्ध हुई है ? उदाहरण सहित विवेचन कीजिए । *15*

CIVIL SERVICES (MAIN)EXAM- 2023

SKYC–B–HND

हिन्दी (प्रश्न-पत्र–II)

(साहित्य)

निर्धारित समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़िए)

इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

HINDI (PAPER–II)

(LITERATURE)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed in HINDI.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग *150* शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) जग हठवाड़ा स्वाद ठग, माया बेसाँ लाई।
रामचरन नीका गही, जिनि जाइ जनम ठगाइ॥
कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड़।
सतगुरु कृपा भई, नहीं तो करती भाँड़॥

(b) नटनंदन मोहन सों मधुकर! है काहे की प्रीत?
जौ कीजै तो है जल, रवि औ जलधर की सी रीति॥
जैसे मीन, कमल, चातक को ऐसे ही गई बीति।
तलफत, जरत, पुकारत सुनु, सठ। नाहिं न है यह रीति॥

(c) बातन्ह मनहि रिझाई सठ जनि घालसि कुल सीख।
राम बिरोध न उबरसि सरन बिष्नु अज ईस॥
की तजि मान अनुज इव प्रभु पद पंकज भृंग।
होहि कि राम सरानल खल कुल सहित पतंग॥

(d) बुद्धि के पवमान में उड़ता हुआ असहाय
जा रहा तू किस दिशा की ओर को निरुपाय?
लक्ष्य क्या? उद्देश्य क्या? क्या अर्थ?
यह नहीं यदि ज्ञात, तो विज्ञान का श्रम व्यर्थ।

(e) तू गा :
मेरे अँधियारे अंतस् में आलोक जगा
स्मृति का
श्रुति का :
तू गा, तू गा, तू गा, तू गा

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तरकाण्ड की भाषा-शैली पर प्रकाश डालिए। 20

(b) जायसी के 'पद्मावत' के सिंहलद्वीप खण्ड की भावभूमि स्पष्ट कीजिए। 15

(c) "'भारत-भारती' में वर्तमान की त्रासदीपूर्ण स्थिति, वैभवपूर्ण भव्य विरासत एवं उन्नत भविष्य की कामना करते हुए राष्ट्रीयता का स्वर मुखरित हुआ है।" इसे उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। 15

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) जयशंकर प्रसाद रचित 'कामायनी' के महाकाव्यत्व का विश्लेषण कीजिए। 20

(b) 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर सूरदास की काव्य-चेतना एवं कवित्व की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 15

(c) 'कुकुरमुत्ता' की प्रगतिशील चेतना की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 15

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) ''बिहारी की कविता शृंगारी है पर प्रेम की उच्च भूमि पर नहीं पहुँच पाती।'' इस कथन की सार्थकता पर प्रकाश डालिए। 20

(b) '''असाध्य वीणा' में अज्ञेय के कवि-कर्म का क्रमिक विकास विभिन्न स्तर पर अभिव्यक्त हुआ है।'' सम्यक् विवेचना कीजिए। 15

(c) ''युद्ध की समस्या मनुष्य की सारी समस्याओं की जड़ है।'' इस कथन के आलोक में दिनकर के 'कुरुक्षेत्र' का मूल्यांकन कीजिए। 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या लगभग *150* शब्दों में कीजिए : 10×5=50

(a) ''जब कभी वह अपनी पृथक् सत्ता की धारणा से छुटकर—अपने आपको बिल्कुल भूलकर—विशुद्ध अनुभूति मात्र रह जाता है, तब वह मुक्त हृदय हो जाता है। जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, इसी प्रकार हृदय की यह मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है।''

(b) ''मैं फिर काम शुरू करूँगा—यहीं, इसी गाँव में। मैं प्यार की खेती करना चाहता हूँ। आँसू से भीगी हुई धरती पर प्यार के पौधे लहलहाएँगे। मैं साधना करूँगा, ग्रामवासिनी भारत माता के मैले आँचल तले!''

(c) ''हाँ, दे दिया। अपनी गाय थी मार डाली, फिर किसी दूसरे के जानवर को तो नहीं मारा? तुम्हारी तहकीकात में यही निकलता है तो यही लिखो। पहना दो मेरे हाथों में हथकड़ियाँ। देख लिया तुम्हारा न्याय और तुम्हारे अक्कल की दौड़। गरीबों का गला काटना दूसरी बात है। दूध का दूध और पानी का पानी करना दूसरी बात है।''

(d) ''वह बहुत अद्भुत अनुभव था माँ, बहुत अद्भुत! नीलकमल की तरह कोमल और आर्द्र, वायु की तरह हल्का और स्वप्न की तरह चित्रमय! मैं चाहती थी उसे अपने में भर लूँ और आँखें मूँद लूँ।''

(e) ''उनकी बात कुछ समझ में नहीं आती। हमेशा दो बातें एक-दूसरे से उल्टी कहते हैं। कहते थे कि इस बार मुझे छः-सात महीनों की छुट्टी लेकर आराम करना चाहिए, लेकिन अगर मैं ठीक हूँ तो भला इसकी क्या जरूरत है।''

6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) मुंशी प्रेमचंद कृत 'गोदान' भारतीय कृषक-जीवन के वास्तविक धरातल का सटीक चित्रण प्रस्तुत करता है। उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए। 20

(b) आंचलिक उपन्यास के तत्त्वों के आलोक में 'मैला आँचल' उपन्यास की विवेचना कीजिए। 15

(c) 'भारत दुर्दशा' एक प्रतीकात्मक नाटक है। विश्लेषण कीजिए। 15

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) 'आषाढ़ का एक दिन' की नाट्य-वस्तु में मंचन-क्षमता की सुरक्षा, भावना और यथार्थ का सामंजस्य, जीवन की कटुता और असफलता का निरूपण पाया जाता है। इसे स्पष्ट कीजिए। 20

(b) "'दिव्या' उपन्यास का मूल प्रतिपाद्य मार्क्सवादी विचारधारा का प्रतिपादन करना है।" इस मत के पक्ष-विपक्ष में अपना तर्कयुक्त उत्तर देते हुए 'दिव्या' का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। 15

(c) "मन्नू भण्डारी रचित 'महाभोज' उपन्यास राजनीति में पिसते दलित समाज की दास्ताँ का जीवंत दस्तावेज है।" इसे स्पष्ट कीजिए। 15

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(a) "'स्कंदगुप्त' नाटक राष्ट्रीय उन्नति की संवेदना को प्रकट करता है।" विवेचना कीजिए। 20

(b) 'श्रद्धा-भक्ति' निबंध के आधार पर प्रेम, श्रद्धा एवं भक्ति का अंतःसंबंध स्पष्ट कीजिए। 15

(c) 'चीफ़ की दावत' कहानी नौकरशाही में मानव-मूल्यों का अधःपतन तथा दो पीढ़ी के अंतराल का सूक्ष्म निरूपण पाया जाता है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 15

★★★

हिन्दी / HINDI

प्रश्न-पत्र II / Paper II

(साहित्य) / (LITERATURE)

निर्धारित समय : **तीन** घंटे	अधिकतम अंक : **250**
*Time Allowed : **Three** Hours*	*Maximum Marks : **250***

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें :

*इसमें **आठ** प्रश्न हैं जो **दो खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिन्दी** में छपे हैं ।*

*परीक्षार्थी को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं ।*

*प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं ।

*प्रश्नों के उत्तर **हिन्दी** (देवनागरी लिपि) में ही लिखे जाएँगे ।*

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए ।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी । यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो । प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए ।

Question Paper Specific Instructions

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions :

*There are **EIGHT** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed in **HINDI**.*

*Candidate has to attempt **FIVE** questions in all.*

*Questions No. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, any **THREE** are to be attempted choosing at least **ONE** question from each section.*

The number of marks carried by a question / part is indicated against it.

*Answers must be written in **HINDI** (Devanagari Script).*

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer (QCA) Booklet must be clearly struck off.

SECTION A

Q1. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर स्वयं की भाषा में लिखिए) :**

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : *10×5=50*

(a) बिरह अगिनि तनु तूल समीरा ।
स्वास जरइ छन माहिं सरीरा ।।
नयन स्रवहिं जलु निज हित लागी ।
जरैं न पाव देह बिरहागी ।। *10*

(b) हा दैव ! अब वे दिन कहाँ हैं और वे रातें कहाँ ?
हैं काल की घातें कि कल की आज हैं बातें कहाँ ?
क्या थे तथा अब क्या हुए हम, जानता बस काल है;
भगवान् जाने, काल की कैसी निराली चाल है ! ।। *10*

(c) महानृत्य का विषम सम, अरी
अखिल स्पंदनों की तू माप,
तेरी ही विभूति बनती है
सृष्टि सदा होकर अभिशाप । *10*

(d) अति-प्रफुल्लित कंटकित तन-मन वही
करता रहा अनुभव कि नभ ने भी
विनत हो मान ली है श्रेष्ठता उसकी ! ! *10*

(e) छोटे-छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है । *10*

Q2. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) गोस्वामी तुलसीदास रचित 'कवितावली' के उत्तरकांड के आधार पर उनकी भक्ति-भावना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए । *20*

(b) 'कबीर वाणी के डिक्टेटर हैं' – इस अभिमत के परिप्रेक्ष्य में कबीर की भाषा पर विचार कीजिए । *15*

(c) बिहारी के विरह-वर्णन की मार्मिकता पर प्रकाश डालिए । *15*

Q3. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'निराला' रचित 'राम की शक्ति पूजा' के शिल्प-विधान की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'असाध्य वीणा' के परिप्रेक्ष्य में 'अज्ञेय' के काव्यगत वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) नागार्जुन के काव्य-वैविध्य पर सोदाहरण प्रकाश डालिए । *15*

Q4. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) सूरदास के वाग्वैदग्ध्य की 'भ्रमरगीत सार' के आधार पर समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर 'दिनकर' की युग-चेतना पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) नागार्जुन रचित 'अकाल और उसके बाद' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । *15*

SECTION B

Q5. निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या लगभग 150 शब्दों में कीजिए : *10×5=50*

(a) विपन्नता के इस अथाह सागर में सोहाग ही वह तृण था, जिसे पकड़े हुए वह सागर को पार कर रही थी । इन असंगत शब्दों ने यथार्थ के निकट होने पर भी, मानो झटका दे कर उसके हाथ से वह तिनके का सहारा छीन लेना चाहा । बल्कि यथार्थ के निकट होने के कारण ही उनमें इतनी वेदना-शक्ति आ गई थी । *10*

(b) वह संसार के सुख-दुःख अनुभव करता है । अनुभूति और विचार ही उसकी शक्ति है । उस अनुभूति का ही आदान-प्रदान वह देवी से कर सकता है । वह संसार के धूल-धूसरित मार्ग का पथिक है । उस मार्ग पर देवी के नारीत्व की कामना में वह अपना पुरुषत्व अर्पण करता है । वह आश्रय का आदान-प्रदान चाहता है । *10*

(c) नीलोत्पल ! नहीं-नहीं ! यह अँधेरा नहीं रहेगा । मानवता के पुजारियों की सम्मिलित वाणी गूँजती है – पवित्र वाणी ! उन्हें प्रकाश मिल गया है । तेजोमय ! क्षत-विक्षत पृथ्वी के घाव पर शीतल चंदन लेप रहा है । प्रेम और अहिंसा की साधना सफल हो चुकी है । फिर कैसा भय ! *10*

(d) आज तक वे भीतरी उबाल और बाहरी दबाव के बीच टुकड़े-टुकड़े हो कर हमेशा घुटने ही टेकते आए हैं । हर बार दिनेश को लड़ाई के मैदान में ले तो ज़रूर गए हैं, पर जैसे ही गोलियाँ चली हैं, उसे वहीं छोड़कर भाग आए हैं – अकेला, निहत्था । वह गोलियों की बौछार से लहूलुहान होता रहा है और ये ख़ुद एक असह्य अपराध-बोध से । *10*

(e) ... जैसे कहीं बहुत दूर बरफ़ की चोटियों से परिन्दों के झुंड नीचे अनजान देशों की ओर उड़े जा रहे हैं । इन दिनों अक्सर उसने अपने कमरे की खिड़की से उन्हें देखा है – धागे से बँधे चमकीले लट्टुओं की तरह वे एक लम्बी टेढ़ी-मेढ़ी क़तार में उड़े जाते हैं । *10*

Q6. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'आषाढ़ का एक दिन' के आधार पर मोहन राकेश की नाट्य-कला की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'मैला आँचल' के आधार पर फणीश्वरनाथ 'रेणु' की कथा-भाषा की समीक्षा कीजिए । *15*

(c) 'दिव्या' के आधार पर यशपाल की विचारधारा पर प्रकाश डालिए । *15*

Q7. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'गोदान' के कथा-विधान की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'भारत-दुर्दशा' की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए । *15*

(c) 'स्कन्दगुप्त' के आधार पर जयशंकर प्रसाद की राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालिए । *15*

Q8. **निम्नलिखित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

(a) 'परिन्दे' कहानी के आधार पर निर्मल वर्मा की कहानी-कला की समीक्षा कीजिए । *20*

(b) 'श्रद्धा और भक्ति' निबंध के आधार पर रामचन्द्र शुक्ल की गद्य-शैली की समीक्षा कीजिए । *15*

(c) "राजेन्द्र यादव एक प्रयोगधर्मी कहानीकार हैं" – इस कथन की 'टूटना' कहानी के आधार पर तर्कसंगत दृष्टि से विचार कीजिए । *15*